नेपोलियन हिल

की विश्व-विख्यात पुस्तक सोचिये और अमीर बनिये
के संपन्न बनाने वाले 17 व्यावहारिक सूत्र

प्रैक्टिकल स्टेप्स टु थिंक ऐंड ग्रो रिच

जो क्रायनैक द्वारा 21वी सदी के लिए संशोधित व संपादित

Hindi translation of *Practical Steps to Think & Grow Rich*

प्रैक्टिकल स्टेप्स
टु थिंक
ऐंड ग्रो रिच

21वी सदी के लिए जो क्रायनैक द्वारा संशोधित व संपादित

प्रैक्टिकल स्टेप्स टु थिंक ऐंड ग्रो रिच

नेपोलियन हिल

अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

MANJUL
मंजुल पब्लिशिंग हाउस

MANJUL
मंजुल पब्लिशिंग हाउस

कॉरपोरेट एवं संपादकीय कार्यालय

द्वितीय तल, उषा प्रीत कॉम्प्लेक्स, 42 मालवीय नगर, भोपाल-462 003

विक्रय एवं विपणन कार्यालय

7/32, भू तल, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002

वेबसाइट : www.manjulindia.com

वितरण केन्द्र

अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, कोलकाता, चेन्नई,

हैदराबाद, मुम्बई, नई दिल्ली, पुणे

नेपोलियन हिल द्वारा लिखित मूल अंग्रेजी पुस्तक

प्रैक्टिकल स्टेप्स टु थिंक ऐंड ग्रो रिच का हिन्दी अनुवाद

कॉपीराइट © 2015 जे एम डबल्यू ग्रुप इन्कॉर्पोरेटिड, लार्चमॉन्ट, न्यू यॉर्क जे एम डब्ल्यू ग्रुप इन्कॉर्पोरेटिड, लार्चमॉन्ट, न्यू यॉर्क से अधिकृत सर्वाधिकार सुरक्षित

यह हिन्दी संस्करण 2016 में पहली बार प्रकाशित

ISBN 978-81-8322-746-9

हिन्दी अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

यह पुस्तक इस शर्त पर विक्रय की जा रही है कि प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इसे या इसके किसी भी हिस्से को न तो पुनः प्रकाशित किया जा सकता है और न ही किसी भी अन्य तरीक़े से, किसी भी रूप में इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विषय-सूची

प्रस्तावना

1. विचार की शक्ति का दोहन करें
2. ख़ुद को जानें और बेहतर बनाएँ
3. डर के छह भूतों को हरा दें
4. नकरात्मक सोच को हटा दें : सातवीं बुनियादी बुराई
5. प्रबल इच्छा विकसित करें
6. अपने उवचेतन मन पर सकारात्मक छाप छोड़ें
7. आत्मसुझाव से अपने विचारों को नियंत्रित करें
8. इस पर यक़ीन करें
9. अपनी कल्पना को शामिल करें
10. अपनी छठी इंद्रिय का विकास करें
11. यौन रूपांतरण के रहस्य से पर्दा हटाएँ
12. अपने मस्तिष्क को शक्तिशाली बनाएँ : मानसिक टेलीपैथी और अतीन्द्रिय अनुभूति
13. मास्टर माइंड की शक्ति का दोहन करें
14. एक योजना बनाएँ
15. विशेषज्ञतापूर्ण ज्ञान का लाभ लें
16. निर्णायक बनें
17. लगनशील बनें

प्रस्तावना

थिंक एंड ग्रो रिच (सोचिये और अमीर बनिये) नामक पुस्तक नेपोलियन हिल के स्वप्न और प्रयासों का परिणाम थी, जिसकी तब से अब तक पूरे संसार में 1.5 करोड़ प्रतियाँ बिक चुकी हैं।

इस पुस्तक ने करोड़ों पाठकों और दिग्गजों को प्रेरित किया है और मार्गदर्शन दिया है, ताकि वे अपने संसार को मनचाहे अंदाज़ में ढाल सकें।

कई लोगों को यह लगता कि सफलता का रहस्य सबको बताना अच्छी बात नहीं है। कोई दूसरा होता, तो यही सोचता कि इसे गोपनीय रहस्य ही रखना चाहिए, जिसकी जानकारी कम से कम लोगों को हो। लेकिन कारनेगी और हिल असीम प्रज्ञा के महारथी थे। वे जानते थे कि दौलत और ख़ुशी ऐसी चीज़ें नहीं हैं, जो एक को मिलने से दूसरे के लिए घट जाएँ।

वे जानते थे कि दौलत और ख़ुशी शून्य से उत्पन्न हो सकती हैं, बशर्ते एक विचार हो, इच्छा हो और इसे साकार करने के लिए बुद्धि, योजना तथा लगन हो। वे जानते थे कि दौलत और ख़ुशी बढ़ाने से लोगों के लिए अवसर बढ़ जाएँगे, जिससे पूरे संसार में दौलत और ख़ुशी में तीव्र वृद्धि हो सकती है। वे जानते थे कि रहस्य बताने से सभी स्त्री-पुरुषों के लिए उपलब्ध अवसरों में वृद्धि होगी।

आज के डिजिटल संसार में लोग और विचार एक पल में सफल होते हैं, लेकिन अगले ही पल ग़ुमनामी के अँधेरे में खो जाते हैं। लेकिन कारनेगी और हिल का सफलता का फ़ॉर्मूला स्थायी प्रासंगिकता इसलिए हासिल कर चुका है, क्योंकि इसकी जड़ें प्रकृति और मानव स्वभाव से प्राप्त बुद्धिमत्ता व शाश्वत सत्यों में हैं। लोग अब भी उसी तरह सोचकर अमीर बनते हैं, जिस तरह सैकड़ों या हज़ारों साल पहले बनते थे। रहस्य बिलकुल भी नहीं बदला है। रहस्य जानने और इस पर अमल करने से आप भी दौलत और ख़ुशी को अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे, जितनी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

थिंक एंड ग्रो रिच पुस्तक की सफलता स्थायी है और करोड़ों लोग इसके सिद्धांतों पर अमल कर चुके हैं, इसलिए यह पुस्तक हर उस व्यक्ति को पढ़ना चाहिए, जो उन अवधारणाओं और सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारना चाहता है, जिन्हें नेपोलियन हिल ने सावधानी से इकट्ठा किया था, जिनका उन्होंने विश्लेषण किया था, संश्लेषण किया था और विचार किया था।

यह पुस्तक उन अवधारणाओं और हिल के मार्गदर्शन को हर स्त्री-पुरुष के लिए ज़्यादा सुलभ बनाती है।

यह संस्करण थिंक एंड ग्रो रिच में प्रस्तुत सिद्धांतों का निचोड़ पेश करता है। यह उन्हें सरल प्रारूप में पेश करता है, ताकि बुद्धि के मोतियों की तलाश में आपको पैराग्राफ़ों की खुदाई करने की ज़रूरत न रहे। क्या करना है, इसके बजाय ज़्यादा ध्यान इस बात पर केंद्रित किया गया है कि इसे कैसे करना है। इस संस्करण में अतिरिक्त व्यावहारिक सलाह जोड़कर सामग्री का विस्तार किया गया है।

हर अध्याय के एक अलग खंड में सफलता की कहानियाँ हैं, जो अध्याय में बताए गए सिद्धांतों की मिसाल हैं।

पाठकों की सुविधा के लिए इस संस्करण में सफलता के सिद्धांतों को यथासंभव स्पष्टता से और क़दम-दर-क़दम अंदाज़ में पेश किया गया है।

हम सफल हुए हैं या नहीं, इसका निर्णय सिर्फ़ आप ही कर सकते हैं। जैसा हम अपने सहकर्मियों और

ग्राहकों से कहते हैं, “आपकी सफलता ही हमारी सफलता है।” अगर इस क्षेत्र में हमारे प्रयास सफल होते हैं, तो आपको कारनेगी और हिल के सफलता के फ़ॉर्मूला को ज़्यादा अच्छी तरह समझने और इस पर अमल करने में मदद मिलेगी।

यह फ़ॉर्मूला जीवन के सभी पहलुओं में आपको सफलता दिलाएगा और इस तरह हम अपने मक़सद में कामयाब होंगे। हमें वाक़ई उम्मीद है कि हमारे प्रयासों से आपको बहुत लाभ होगा।

प्रधान संपादक : जो क्रायनैक
जेएमडब्ल्यू ग्रुप, इंक.

विचार एक निश्चित धारणा है,
जिसे उद्देश्य, लगन, तीव्र इच्छा और विश्वास
के साथ मिलाने पर यह दौलत के संग्रह में
रूपांतरित हो जाता है।

अपने विचारों को नियंत्रित करने
की योग्यता ही हमें अपनी वास्तविकता
का निर्माण करने की क्षमता देती है।

दौलत एक मानसिक अवस्था से,
एक निश्चित उद्देश्य से शुरू होती है,
जिसमें बहुत कम मेहनत लगे या
बिलकुल भी न लगे।

1

विचार की शक्ति का दोहन करें

सारी उपलब्धियाँ विचार से शुरू होती हैं। दरअसल, आप यह पुस्तक पढ़ ही नहीं रहे होते, अगर आपने पहले इसे पढ़ने के बारे में न सोचा होता। सफलता पाने के मामले में विचार एक धारणा या इरादे से कहीं अधिक है। विचार कर्म का इंजन है। यानी यह कोई अस्थिर धारणा नहीं, बल्कि एक मानसिकता है, एक मानसिक अवस्था है। यह एक ऐसी धारणा है, जिसे उद्देश्य, लगन, प्रबल इच्छा और विश्वास के साथ मिलाने पर इसका रूपांतरण दौलत या किसी भी दूसरी मनचाही चीज़ में किया जा सकता है। सफलता के विचार को पर्याप्त शक्तिशाली बनाने वाले गुण ये हैं :

- **निश्चित :** विचार में कोई आकस्मिक योजनाएँ नहीं होनी चाहिए। इसमें आपकी निगाह किसी निश्चित, ख़ास चीज़ पर जमी होती है।
- **उद्देश्यपूर्ण :** उद्देश्य आपके दिमाग़ में मौजूद वह लक्ष्य, वह वस्तु या स्थिति है जिसे आप चाहते हैं, वह दिशा है जिसमें आप चलने का चयन करते हैं।
- **लगनशील :** लक्ष्य हासिल करने के प्रति "चाहे जिस चीज़ की ज़रूरत हो, सब कुछ करने" का नज़रिया। हार का यक़ीन होने के बाद बहुत कम लोग जीत पाए हैं।
- **तीव्र इच्छा :** जब इच्छा पर्याप्त प्रबल हो, तो कोई बाधा अजेय नहीं होती।
- **विश्वास :** इंसान में यह विश्वास और अपेक्षा होनी चाहिए कि उसकी मनचाही चीज़ उसे मिल जाएगी।

> विचार वह ऊर्जा है, जो आपके और मनचाही चीज़ के बीच की बाधाओं से उबरने के लिए आवश्यक कर्म को प्रेरित करती है।

कुदरत में निहित सिद्धांत

जो सिद्धांत आपको सोचने और अमीर बनने में सक्षम बनाते हैं, उनकी जड़ें प्रकृति में हैं। आप, आपकी पृथ्वी और हर अन्य भौतिक वस्तु विकासवादी परिवर्तन का परिणाम है, जिसके ज़रिये पदार्थ के बहुत छोटे-छोटे टुकड़ों को क्रमबद्ध तरीक़े से व्यवस्थित और संयोजित किया गया है। यही नहीं, इस पृथ्वी, आपके शरीर की अरबों-खरबों कोशिकाओं में से प्रत्येक कोशिका और पदार्थ के हर अणु की शुरुआत ऊर्जा के अमूर्त रूप से ही हुई है।

इच्छा विचार आवेग है! विचार आवेग ऊर्जा के रूप हैं। जब आप पैसे का संग्रह करने की इच्छा के विचार आवेग से शुरुआत करते हैं, तो आप अपनी ख़ातिर उसी "चीज़" को सक्रिय कर रहे हैं, जिसका इस्तेमाल प्रकृति ने इस पृथ्वी और इस सृष्टि में मौजूद हर भौतिक स्वरूप को बनाने में किया था, जिसमें वह शरीर और मस्तिष्क शामिल है, जिसमें विचार आवेग उत्पन्न होते हैं।